**Regarding request to provide GI tag for Bahraich wheat straw handicrafts**

डॉ**.** आनन्द कुमार गोंड **(**बहराइच**) :** माननीय सभापति जी, सर्वप्रथम, मैं आपके माध्यम से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री जी और उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करना चाहता हूँ कि बहराइच की अनूठी गेहूं के डंठल की हस्तकला को एक जिला एक उत्पाद' (ODOP) योजना के तहत चयनित कर उसे नई पहचान और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा प्रदान करने का कार्य किया गया है । ओडीओपी के माध्यम से बहराइच की यह विशिष्ट कला न केवल राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्जीवित हुई है बल्कि इस निर्णय से स्थानीय कारीगरों का मनोबल बढ़ा है । विशेष रूप से महिला कारीगरों और पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए सम्मानजनक आजीविका के नए अवसर भी खुले हैं ।

महोदय, अब आवश्यकता है कि इस परंपरागत कला को वैश्विक स्तर पर भी स्थापित किया जाए । अतः मेरा विनम्र अनुरोध है कि बहराइच के गेहूं डंठल हस्तशिल्प को शीघ्रातिशीघ्र जीआई टैग प्रदान करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए ताकि इसे वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान मिल सके । इसके साथ ही उक्त उत्पाद के लिए विशेष निर्यात प्रोत्साहन, अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडिंग और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ने की ठोस पहल की जाए ताकि यह लोककला 'लोकल से ग्लोबल' की प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना का सशक्त उदाहरण बन सके और बहराइच को एक विशिष्ट पहचान मिल सके । इससे इस हस्तकला से जुड़े कारीगरों की आमदनी तथा सम्मान दोनों में स्थायी वृद्धि होगी ।